

भारत-म्यांमार सीमा पर स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली

प्रलिस के लिये:

[स्मार्ट फेंसिंग सिस्टम](#), भारत-म्यांमार सीमा

मेन्स के लिये:

बुनयादी ढाँचा, सीमा नगिरानी और नयित्रण, सीमा क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ और उनका प्रबंधन

[स्रोत: द हिंदू](#)

चर्चा में क्यों?

गृह मंत्रालय (Ministry of Home Affairs- MHA) ने अपनी 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट में [भारत-म्यांमार सीमा](#) पर 100 किलोमीटर की स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली (Smart Fencing System- SFS) तैयार करने की योजना पेश की है।



स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली:

परचिय:

- SFS एक तकनीकी रूप से उन्नत सीमा सुरक्षा बुनयादी ढाँचा है जिससंवेदनशील सीमा क्षेत्रों पर नगिरानी और नयित्रण में सुधार व बेहतरी के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- इसमें आमतौर पर भौतिक संरचनाओं, सेंसर, कैमरे और संचार प्रणालियों का संयोजन शामिल होता है।
 - "स्मार्ट" शब्द का तात्पर्य सीमा पर खतरों की प्रभावी ढंग से नगिरानी और प्रतिक्रिया करने के लिये प्रौद्योगिकी का

उपयोग करने की प्रणाली की क्षमता से है।

■ भारत-म्यांमार सीमा के नकट स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली की आवश्यकता:

○ नृजातीय हिसा और वदिरोह:

- मणपुर में नृजातीय हिसा एक प्रमुख चिंता का वषिय रही है, जिसके परणामस्वरूप 3 मई, 2022 से 175 से अधिक लोगों की मौत हुई। पूर्वोत्तर राज्यों में मणपुर में वर्ष 2022 में दरज कुल 201 में से 137 उग्रवाद से संबंधित घटनाएँ हुई हैं।
- मणपुर में नृजातीय हिसा के लिये ज़मिमेदार कुछ कारकों के रूप में बनिा बाड़े वाली सीमा की उपस्थिति तथा म्यांमार से अनयिमति प्रवासन को ज़मिमेदार ठहराया गया है।
 - इसके परणामस्वरूप वभिनिन इंडयिन इंसरजेंट गुरुप्स (IIG) द्वारा हिसा, ज़बरन वसूली तथा वविधि मांगें शुरू हो गई हैं, जो भारत के पड़ोसी देशों में सुरक्षित आश्रय/शविरि बनाए हुए हैं।
- स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली उग्रवादियों और अवैध तत्त्वों द्वारा अनधिकृत प्रवेश तथा घुसपैठ को रोकेंगी, जिससे एक गंभीर सुरक्षा समस्या का समाधान होगा।

○ नगिरानी बढ़ाना:

- स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली सीमा उल्लंघनों की नगिरानी तथा जवाबी कार्यवाई करने के लिये उन्नत नगिरानी प्रौद्योगिकियों से लैस है।

○ जटलि सुरक्षा चुनौतियों से नपिटना:

- इसे सामाजिक-आर्थिक विकास, जनजातीय संघर्ष और प्रवासन जैसे कारकों के कारण पूर्वोत्तर क्षेत्र को नाजुक सुरक्षा स्थिति का सामना करना पड़ता है।
 - स्मार्ट फेंसिंग प्रणाली इन खतरों को कम करने और क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बनाए रखने हेतु एक कारगर उपाय है।

भारत-म्यांमार सीमा से संबंधित मुख्य बटु:

- भारत म्यांमार के साथ 1643 कमी. से अधिक लंबी भूमि सीमा के साथ-साथ बंगाल की खाड़ी में समुद्री सीमा भी साझा करता है त्वार पूर्वोत्तर राज्य, अर्थात् अरुणाचल प्रदेश (520 कमी.), नगालैंड (215 कमी.), मणपुर (398 कमी.) और मज़ोरम (510 कमी.)।
 - गृह मंत्रालय की 2022-23 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार 1,643 कमी. में से 1,472 कमी. का सीमांकन पूरा हो चुका है।
- म्यांमार भारत से सटा एकमात्र आसियान देश है और इसलिये, यह दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है।
- इसकी सीमा कई हिसाओं में खुली हुई और बनिा फेंसिंग की है, जिससे द्विपक्षीय समझौते के तहत लोगों एवं वस्तुओं की नरिबाध आवाजाही की अनुमति मिलती है। सीमा पर अवैध गतविधियों भी देखी जाती हैं तथा यह वभिनिन वदिरोही समूहों की गतविधियों से भी प्रभावित होती है जो इस क्षेत्र में सक्रिय हैं और प्रायः म्यांमार में शरण लेते हैं।
 - भारत और म्यांमार के बीच एक नरिबाध आवाजाही व्यवस्था (FMR) मौजूद है। "FMR के तहत पहाड़ी जनजातियों का प्रत्येक सदस्य, जो या तो भारत का नागरिक है या म्यांमार का नागरिक है और जो भारत-म्यांमार सीमा के दोनों ओर 16 कमी. के भीतर किसी भी क्षेत्र का नवासी है, सक्रम प्राधिकारी द्वारा जारी सीमा पास (एक वर्ष की वैधता) जारी किये जाने पर सीमा पार कर सकता है और प्रति यात्रा दो सप्ताह तक रह सकता है।
- मणपुर सरकार ने कोवडि-19 महामारी के बाद वर्ष 2020 से FMR को नलिंबित कर दिया है।

भारत में अन्य स्मार्ट फेंसिंग परियोजनाएँ:

- भारत का पहला 'स्मार्ट फेंस' पायलट प्रोजेक्ट वर्ष 2018 में भारत-पाकस्तान सीमा पर शुरू किया गया था।
- बाद में वर्ष 2019 में भारत-बांग्लादेश सीमा पर कॉम्प्रहेंसिव इंटीग्रेटेड बॉर्डर मैनेजमेंट सिस्टम (CIBMS) के तहत प्रोजेक्ट बॉर्डर इलेक्ट्रॉनिकली डॉमिनेटेड QRT इंटरसेप्शन टेकनीक (BOLD-QIT) लॉन्च की गई।
- CIBMS की भारत-पाकस्तान सीमा (10 किलोमीटर) और भारत-बांग्लादेश सीमा (61 किलोमीटर) पर लगभग 71 किलोमीटर की दो पायलट परियोजनाएँ पूरी हो चुकी हैं।
 - CIBMS में अत्याधुनिक नगिरानी प्रौद्योगिकियों की एक शृंखला की तैनाती शामिल है जिसमें थर्मल इमेजरस, इन्फ्रारेड और लेज़र-आधारित इंटरडोर अलार्म, हवाई नगिरानी हेतु एयरोस्टैट्स, अनअटेंडेड (जिसकी रखवाली करने की आवश्यकता ना हो) ग्राउंड सेंसरस शामिल है, जो घुसपैठ की कोशिशों का पता लगाने में सहायता कर सकता है, नदी की सीमाओं को सुरक्षित करने हेतु रडार, सोनार सिस्टम, फाइबर-ऑप्टिक सेंसर और एक कमांड तथा नयितरण प्रणाली जो वास्तविक समय में सभी नगिरानी उपकरणों से डेटा प्राप्त करेगी।

सीमा अवसंरचना विकास का सार	प्रमुख खतरे	आवश्यक कदम	बीते समय में किये गए प्रयास
पाकस्तान	युद्ध, वदिरोह, तस्करी	अच्छी तरह से प्रशिक्षित और वृहत BOLD-QIT के साथ C.I.B.M.S. नगिरानी, दूरदराज के क्षेत्रों, वशिष रूप से जम्मू-कश्मीर को जोड़ने वाले एक से अधिक मार्ग	C.I.B.M.S., कुछ हिसाओं में लेह का तीसरा मार्ग वर्ष 2023 तक खोला जाना अपेक्षित
चीन	युद्ध	बख्तरबंद वाहन सक्रम बुनयिादी ढाँचा, उच्च ऊँचाई वाले हवाई क्षेत्र	डौलेट बेग ओल्डी हवाई परचालन जारी, कुछ पुल और सुरंगें बख्तरबंद वाहन सक्रम

बांग्लादेश	तस्करी, मानव तस्करी	नदी के पूरे वसित क्षेत्र में C.I.B.M.S. और BOLD-QIT नगिरानी	ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्र कवर किया जा चुका है, अत्यंत छोटी नदी क्षेत्र अभी बाकी
नेपाल	तस्करी, मानव तस्करी	BOLD-QIT के साथ C.I.B.M.S. नगिरानी	नयोजन के स्तर में
भूटान	तस्करी	भूटान-चीन सीमा तक बख्तरबंद वाहन सक्षम सड़क संपर्क	सीमा सड़क संगठन द्वारा इस दशा में कार्य जारी
म्याँमार	तस्करी, वद्रोह	उग्रवाद से नपिटने के लिये बड़े और अधिक कुशल BOLD-QIT के साथ C.I.B.M.S. नगिरानी, सैनिकों की त्वरति आवाजाही के लिये सड़कें	कुछ सड़कें मौजूद हैं, C.I.B.M.S. नयोजन के स्तर पर

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

?????????:

प्रश्न. सीमा प्रबंधन वभिग नमिनलखिति में से कसि केंद्रीय मंत्रालय का एक वभिग है? (2008)

- (a) रक्षा मंत्रालय
- (b) गृह मंत्रालय
- (c) नौवहन, सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय
- (d) पर्यावरण और वन मंत्रालय

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- जनवरी 2004 में अंतरराष्ट्रीय भूमि और तटीय सीमाओं के प्रबंधन से संबंधित मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने हेतु गृह मंत्रालय के तहत सीमा प्रबंधन वभिग बनाया गया था।
- यह सीमा पुलसिगि और रखवाली, सड़कों, बाड़ लगाने तथा फलड लाइटगि जैसे बुनयिदी ढाँचे का नरिमाण करने एवं भारत-पाकसितान, भारत-बांग्लादेश, भारत-चीन, भारत-नेपाल व भारत-भूटान सीमाओं के साथ बॉर्डर आउट पोस्ट (Border Out Posts- BOP) तथा कंपनी ऑपरेटगि बेस (Company Operating Bases- COB) पर सीमा क्षेत्र विकास कार्यक्रम चलाने का प्राधिकारी है।
- भारत के पास 15,106.7 कर्मी. की भूमि सीमा और द्वीप क्षेत्रों सहति 7,516.6 कर्मी. की तटरेखा है।

अतः वकिल्प (b) सही है।

?????????:

प्रश्न: भारत की आंतरकि सुरक्षा के लिये बाह्य राज्य और गैर-राज्य कारकों द्वारा प्रस्तुत बहुआयामी चुनौतियों का वश्लेषण कीजयि। इन संकटों का मुकाबला करने के लिये आवश्यक उपायों पर भी चर्चा कीजयि। (2021)

प्रश्न: प्रभावी सीमावर्ती क्षेत्र प्रबंधन हेतु हसिवादियों को स्थानीय समर्थन से वंचति करने के आवश्यक उपायों की वविचना कीजयि और स्थानीय लोगों में अनुकूल धारणा प्रबंधन के तरीके भी सुझाइये। (2020)

प्रश्न: आंतरकि सुरक्षा खतरों तथा नयितरण रेखा (LoC) सहति म्याँमार, बांग्लादेश और पाकसितान सीमाओं पर सीमा पार अपराधों का वश्लेषण कीजयि। वभिनिन सुरक्षा बलों द्वारा इस संदर्भ में नभिाई गई भूमिका की भी चर्चा कीजयि। (2020)

प्रश्न: दुर्गम क्षेत्र एवं कुछ देशों के साथ शत्रुतापूर्ण संबंधों के कारण सीमा प्रबंधन एक कठनि कार्य है। प्रभावशाली सीमा प्रबंधन की चुनौतियों एवं रणनीतियों पर प्रकाश डालयि। (2016)